

# साहित्य अकादेमी ने किया मैथिली 'युवा साहिती' कार्यक्रम का आयोजन



युवा शक्ति संवाददाता, कोलकाता: साहित्य अकादेमी नई दिल्ली की ओर से वेबलाइन साहित्य शृंखला के तहत 'युवा साहिती' कार्यक्रम का आयोजन किया गया. अकादेमी के उपसचिव डॉ. एन सुरेश बाबू ने इस ऑनलाइन कार्यक्रम का संचालन किया जिसमें मैथिली भाषा के छह युवा रचनाकारों ने भाग लिया. इस आयोजन की शुरुआत साहित्य अकादेमी में मैथिली के संयोजक डॉ. अशोक कुमार झा 'अविचल' के परिचयात्मक वक्तव्य से हुआ. उन्होंने मैथिली साहित्य लेखन में युवा हस्तक्षेप और बदलते परिदृश्य पर अपनी बात रखी. साहित्य लेखन करते हुए जिम्मेदारियों और चुनौतियों के प्रति साकांक्ष रहते हुए खुद को बदलते परिस्थितियों में अनुकूलित करने पर अपना मंतव्य दिया. डॉ. अविचल ने 'युवा साहिती' कार्यक्रम की योजना और अपेक्षाओं के बारे में भी अपने विचार सबके समक्ष रखे.

युवा साहिती कार्यक्रम में युवा साहित्यकार सोनू कुमार झा ने कथा तो वहीं पंकज कुमार, अमित मिश्र, प्रिय रंजन झा, राजीव रंजन झा और रूपेश त्योंथ ने अपनी कविताओं का पाठ किया. युवा रचनाकारों ने अपनी प्रस्तुति से सुधी श्रोताओं-दर्शकों को प्रभावित किया. उन्होंने सामाजिक विसंगति, देशकाल का सूक्ष्म अवलोकन सहित अनेक भावनात्मक पहलुओं को अपनी रचनाओं के जारिए प्रस्तुत किया. उनकी रचनाओं में समस्याओं के साथ-साथ समाधान और मंतव्य भी शामिल देखे गए. साहित्य की अपेक्षा पर युवा रचनाकारों की लेखनी भविष्य की आश्वस्ति है, ऐसी टिप्पणी संयोजक डॉ. अशोक कुमार झा 'अविचल' ने की.

डॉ. अविचल ने युवा रचनाकारों को सुनने के बाद अपने उद्गार में संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि हमें युवा रचनाकारों की प्रस्तुति से भाषा के सुनहरे भविष्य की आशा है. विषयों के चयन से लेकर गंभीर साहित्य लेखन को देखकर उन्होंने खुशी जाहिर की. उन्होंने कहा कि साहित्यिक आयोजनों की निरंतरता के लिए जिस प्रकार साहित्य अकादेमी तत्पर हैं उसी प्रकार वह भी विविध विषयों पर परिसंवाद और अन्य कार्यक्रम लाकर एक समावेशी और रचनात्मक परिवेश सृजित करने की दिशा में कार्यरत हैं. कार्यक्रम के अंत में अकादेमी के उपसचिव डॉ. एन सुरेश बाबू ने धन्यवाद ज्ञापन किया.



# साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित मैथिली भाषा कार्यक्रम युवा सहिती में युवा रचनाकारों ने लिया भाग

5

विकास झा/झंझारपुर

**जन अखबार :** बीते शुक्रवार को वेबलाइन साहित्य शृंखला के तहत साहित्य अकादमी के वेब लाइन मंच पर मैथिली भाषा कार्यक्रम ह्ययुवा सहितीह का आयोजन किया गया । इस आयोजन में मैथिली भाषा के छह युवा रचनाकारों ने भाग लिया । कार्यक्रम की शुरुआत साहित्य अकादमी में मैथिली के संयोजक डॉ.अशोक कुमार झा ह्यअविचलह के परिचयात्मक वक्तव्य से हुआ । उन्होंने मैथिली साहित्य लेखन में युवा हस्तक्षेप और बदलते परिदृश्य पर अपनी बात रखते हुए कहा कि साहित्य लेखन करते हुए जिम्मेदारियों और चुनौतियों के प्रति साकांक्ष रहना चाहिए । उन्होंने कहा कि खुद को बदलते परिस्थितियों में अनुकूलित कर सृजन कार्य करने से रचना में मौलिकता आती है । डॉ.अविचल ने ह्ययुवा सहितीह कार्यक्रम की योजना और अपेक्षाओं के बारे में भी अपने विचार रखे । ऑनलाइन कार्यक्रम का संचालन अकादमी के उपसचिव डॉ.एन सुरेश बाबू कर रहे थे । युवा सहिती कार्यक्रम में भाग लेते

हुए युवा साहित्यकार सोनू कुमार झा ने कथा का पाठ किया । वहीं पंकज कुमार, अमित मिश्र, प्रिय रंजन झा, राजीव रंजन झा और रूपेश त्योंथ ने अपनी कविताओं का पाठ किया । युवा रचनाकारों ने अपनी रचना से सामाजिक विसंगति, देशकाल का सूक्ष्म अवलोकन सहित अनेक भावनात्मक पहलुओं को प्रस्तुत किया । डॉ.अविचल ने युवा रचनाकारों को सुनने के बाद अपने उदगार में संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि हमें युवा रचनाकारों की प्रस्तुति से भाषा के सुनहरे भविष्य की आशा है । विषयों के चयन से लेकर गंभीर साहित्य लेखन को देखकर उन्होंने खुशी जाहिर की । उन्होंने कहा कि साहित्यिक आयोजनों की निरंतरता के लिए जिस प्रकार साहित्य अकादमी तत्पर है उसी प्रकार वह भी विविध विषयों पर परिसंवाद और अन्य कार्यक्रम लाकर एक समावेशी और रचनात्मक परिवेश सृजित करने की दिशा में कार्यरत हैं । कार्यक्रम के अंत में अकादमी के उपसचिव डॉ.एन सुरेश बाबू ने धन्यवाद ज्ञापन किया ।

# साहित्य अकादेमी ने किया मैथिली 'युवा साहिती' कार्यक्रम

जासं, जमशेदपुर : साहित्य अकादमी नई दिल्ली की ओर से शुक्रवार को वेबलाइन साहित्य शृंखला के तहत 'युवा साहिती' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अकादमी के उपसचिव डॉ. एन सुरेश बाबू ने इस ऑनलाइन कार्यक्रम का संचालन किया, जिसमें मैथिली भाषा के छह युवा रचनाकारों ने भाग लिया। इस आयोजन की शुरुआत साहित्य अकादमी में मैथिली के संयोजक डॉ. अशोक कुमार झा 'अविचल' के परिचयात्मक वक्तव्य से हुआ। उन्होंने मैथिली साहित्य लेखन में युवा-हस्तक्षेप और बदलते परिदृश्य पर अपनी बात रखी। साहित्य लेखन करते हुए जिम्मेदारियों और चुनौतियों के प्रति साकांक्ष रहते हुए खुद को बदलते परिस्थितियों में अनुकूलित करने पर अपना मतव्य दिया। डॉ. अविचल ने 'युवा साहिती' कार्यक्रम की योजना और अपेक्षाओं के बारे में भी अपने विचार सबके समक्ष रखे। वहीं, साहित्यकार सोनू कुमार झा, पंकज कुमार, अमित मिश्र, प्रिय रंजन झा, राजीव रंजन आदि थे।

# कार्यक्रम में युवा साहित्यकारों ने पढ़ी रचनाएं

जधुबनी | नगर संवाददाता

साहित्य अकादेमी नई दिल्ली की ओर से वेबलाइन साहित्य शृंखला के तहत 'युवा साहिती' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अकादेमी के उपसचिव डॉ. एन सुरेश बाबू ने इस ऑनलाइन कार्यक्रम का संचालन किया। इसमें मैथिली भाषा के छह युवा रचनाकारों ने भाग लिया। इस आयोजन की शुरुआत साहित्य अकादेमी में मैथिली के संयोजक डॉ. अशोक कुमार झा 'अविचल' के परिचयात्मक वक्तव्य से हुई। उन्होंने मैथिली साहित्य लेखन में युवा हस्तक्षेप और बदलते परिदृश्य पर अपनी बात रखी। साहित्य लेखन करते हुए जिम्मेदारियों और चुनौतियों के प्रति साकांक्ष रहते हुए खुद को बदलते परिस्थितियों में अनुकूलित करने पर अपना मंतव्य दिया। डॉ. अविचल ने 'युवा साहिती' कार्यक्रम की योजना और अपेक्षाओं के बारे में भी अपने विचार

सबके समक्ष रखे। युवा साहित्यकार सोनू कुमार झा ने कथा तो पंकज कुमार, अमित मिश्र, प्रिय रंजन झा, राजीव रंजन झा और रूपेश त्योंथ ने अपनी कविताएं पढ़ीं।

युवा रचनाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं-दर्शकों को प्रभावित किया। उन्होंने सामाजिक विसंगति, देशकाल का सूक्ष्म अवलोकन सहित अनेक भावनात्मक पहलुओं को अपनी रचनाओं के जरिए प्रस्तुत किया।

उनकी रचनाओं में समस्याओं के साथ-साथ समाधान और मंतव्य भी शामिल देखे गए। साहित्य की अपेक्षा पर युवा रचनाकारों की लेखनी भविष्य की आश्वस्त है, ऐसी टिप्पणी संयोजक डॉ. अशोक कुमार झा 'अविचल' ने की। कार्यक्रम के अंत में अकादेमी के उपसचिव डॉ. एन सुरेश बाबू ने धन्यवाद ज्ञापन किया।



साहित्य अकादेमी नई दिल्ली की ओर से वेबलाइन साहित्य शृंखला में भाग लेते साहित्यकार।